कक्षा - 12

भारत: लोग और अर्थव्यवस्था

अध्याय - 8

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भाग - 3

पंकज वैष्णव

ipca
A dose of life



कक्षा 12 के लिए
भूगोल की
पाठ्यपुस्तक



भारत लोग और अर्थव्यवस्था



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

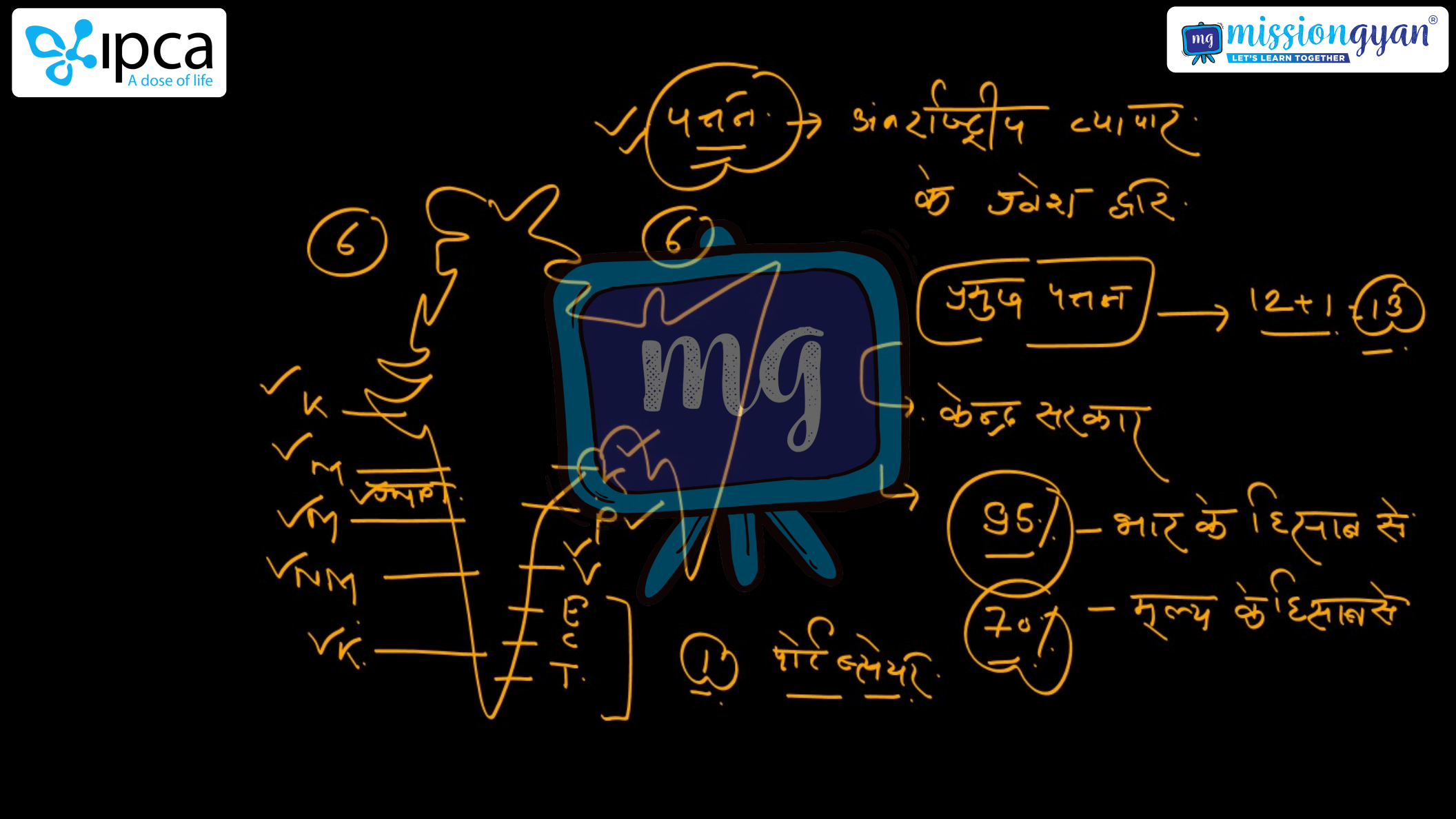
© NCERT not to be republished

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

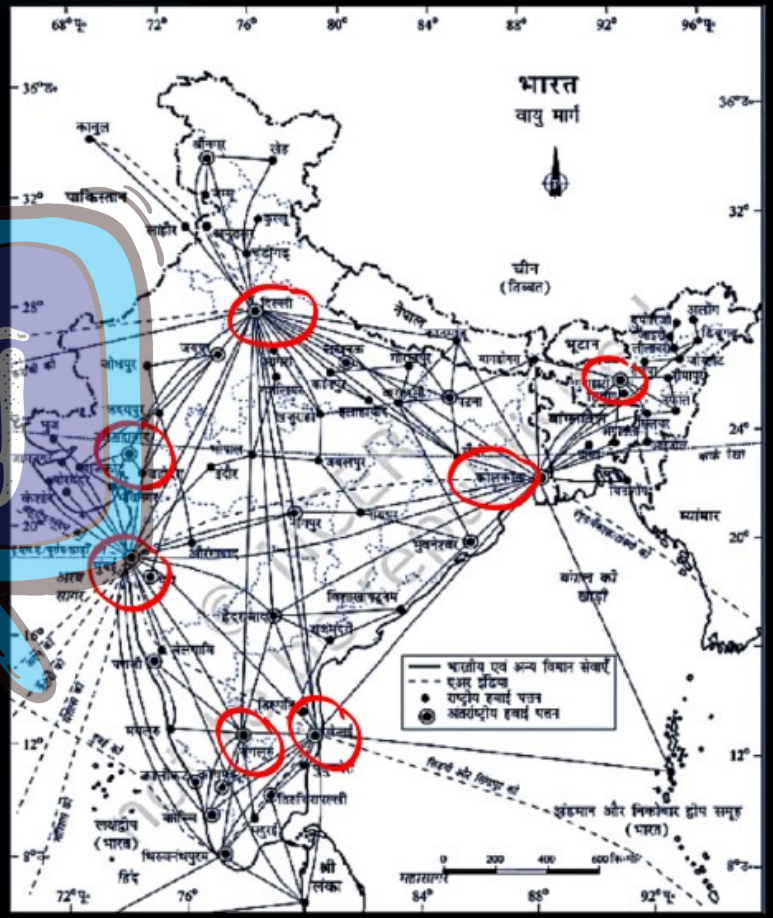
हवाई अड्डे

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन की महत्त्वपूर्ण भूमिका
- लंबी दूरी वाले उच्च मूल्य वाले या नाशवान सामानों को कम से कम समय में ले जाने के लिए उपयुक्त
- भारी और स्थूल वस्तुओं के वहन करने के लिए बहुत महँगा और अनुपयुक्त

इसी कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में महासागरीय परिवहन की तुलना में वायु परिवहन की भागीदारी कम


पत्तन → अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार
प्रमुख पत्तन → 12+1 = 13
केन्द्र सरकार
95% - भार के हिसाब से
70% - मूल्य के हिसाब से
(1) पोर्ट ट्रस्ट्स

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



चित्र 8.5 : भारत वायु मार्ग

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- देश में 25 अंतर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डे कार्य कर रहे हैं
  (वार्षिक रिपोर्ट 2016-17)

अहमदाबाद, बेंगलूरु, चेन्नई, दिल्ली, गोवा, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोच्चि, कोलकाता, मुंबई, थिरुवनंथपुरम, श्रीनगर, जयपुर, कालीकट, नागपुर, कोयम्बटूर, लखनऊ, पुणे, चण्डीगढ़, मंगलूरु, विशाखापट्टम, इंदौर, पटना, भुवनेश्वर, कन्नूर

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए।

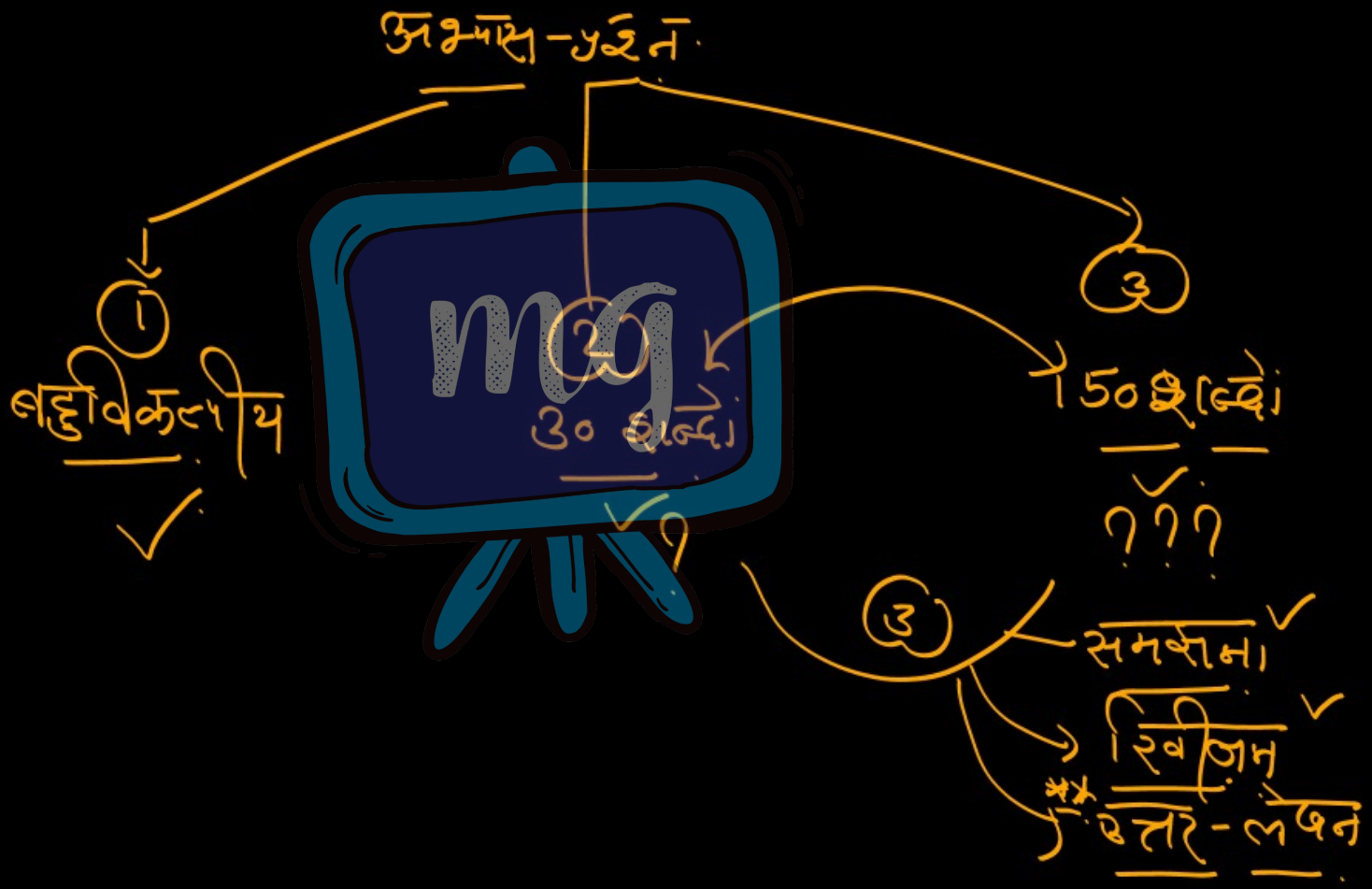
1. दो देशों के मध्य व्यापार कहलाता है:

(क) अन्तर्देशीय व्यापार

(ख) बाह्य व्यापार

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार (International Trade)

(घ) स्थानीय व्यापार


अभ्यास-प्रश्न
1
बहुविकल्पीय
2
30 प्रश्नों
3
150 प्रश्नों
???
3
समस्या
विश्लेषण
उत्तर-लेखन

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा एक स्थलबद्ध पोताश्रय है?

(क) विशाखापट्टम

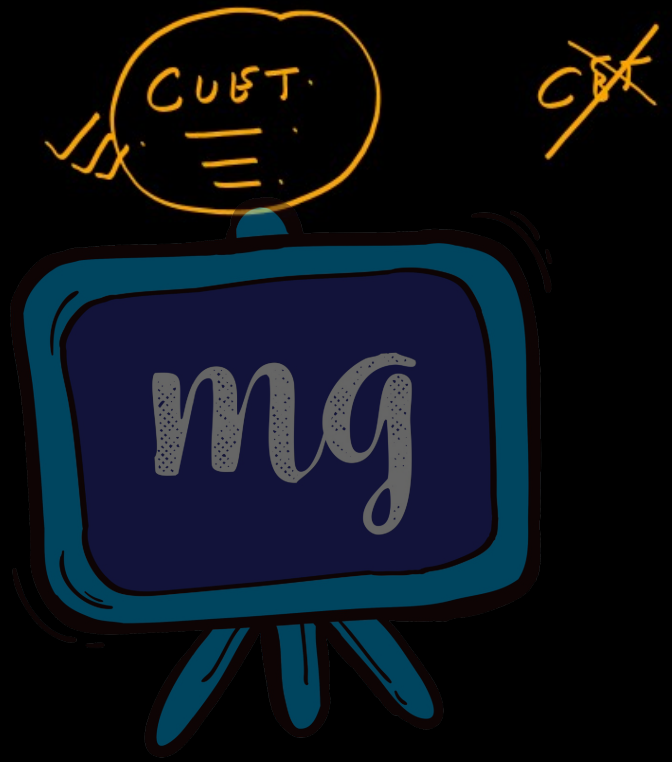
(ख) मुंबई

(ग) एन्नोर

(घ) हल्दिया

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए।

3. भारत का अधिकांश (अंतर्द्वीप) विदेशी व्यापार वहन होता है:

(क) स्थल और समुद्र द्वारा

(ख) स्थल और वायु द्वारा

(ग) समुद्र और वायु द्वारा

(घ) समुद्र द्वारा

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।

1. भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताएँ:

- देश का अधिकांश विदेशी व्यापार लगभग 35 देशों के बीच होता है, जो विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय समझौतों के आधार पर किया जाता है।
- भारत के व्यापारिक संबंध विश्व के अधिकांश देशों तथा प्रमुख व्यापारिक गुटों के साथ हैं।

G20
G7
ASEAN
SAARC
BRICS

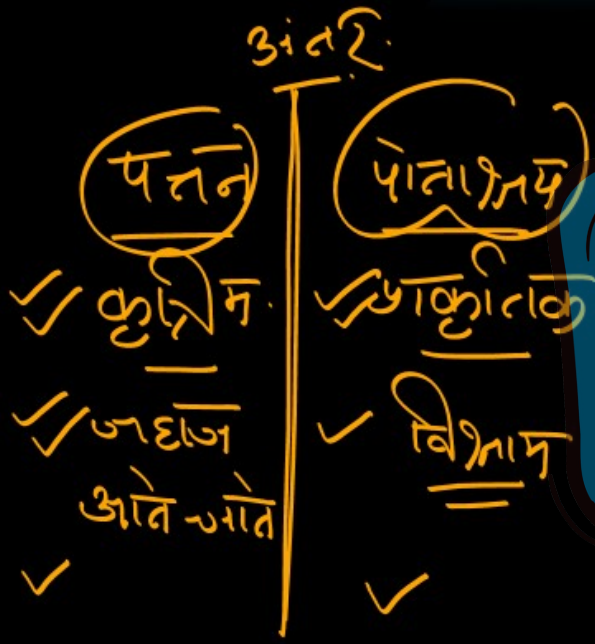
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- भारत का विदेश व्यापार सकल राष्ट्रीय आय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- वैश्वीकरण तथा विविधीकरण भारत के विदेशी व्यापार की नवीनतम प्रवृत्ति को चिह्नित करते हैं। भारत का विदेश व्यापार अब सीमित या कुछ माल या कुछ देशों तक सीमित नहीं रह गया है। वर्तमान में, भारत लगभग 190 देशों को 7500 वस्तुओं का निर्यात करता है तथा आयात 140 देशों के 6000 सामान है। इसने भारत के विदेशी व्यापार के बदलते पैटर्न का अनावरण किया।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- भारत का लगभग 90% अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्गों से होता है। भारत में पड़ोसी देशों के साथ-सीमा विवाद और धारातल का उबड़-खाबड़ होने के कारण व्यापार कम होता है। हिमालय पर्वत के कारण भारत के उत्तर सीमा में रेल मार्ग और सड़क मार्ग का विकास नहीं हुआ है। भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में समुद्री मार्गों तथा बंदरगाहों का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



2. पत्तन और पोताश्रय में अंतर बताइए।

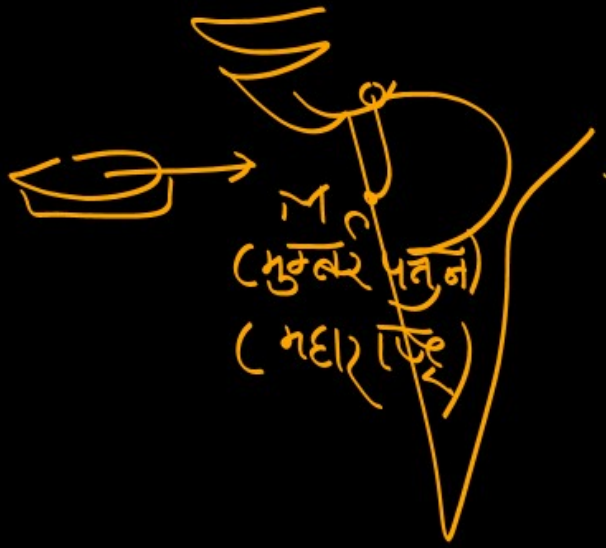
उत्तर : पत्तन समुद्रतट पर जलपोतों के ठहरने का वह स्थान है जहाँ पर पानी के छोटे-बड़े जहाज़ों में सामान लादने और उतारने की सभी सुविधाएँ होती है। । साथ ही सामान को सुरक्षित रखने के लिए गोदामों की भी सुविधा होती है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



पत्तन व्यापार के द्वार होते हैं जो अपनी पृष्ठभूमि से सड़कों तथा रेलमार्गों से अच्छी तरह जुड़े होते हैं। जबकि पोताश्रय कटे- फ़टे समुद्र तट तथा खाड़ियों पर प्राकृतिक पोताश्रय स्थल होते हैं। जहाँ समुद्री लहरों एवं तफ़ानों से सुरक्षा प्राप्त करते हैं अथवा कुछ समय आराम करने की दृष्टि से लंगर डाल लेते हैं और अपने गतंव्य की ओर आगे बढ़ जाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



3. पृष्ठप्रदेश के अर्थ को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : पृष्ठप्रदेश किसी पत्तन का वह प्रभाव क्षेत्र होता है जो रेल एवं सड़क मार्गों द्वारा पत्तन से अच्छी तरह जुड़ा होता है। इस क्षेत्र के उत्पाद निर्यात के लिए पत्तन तक भेजे जाते हैं और आयातित सामान विक्रय/ उपभोग के लिए यहाँ वितरित कर दिया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

4. उन महत्वपूर्ण मदों के नाम बताइए जिन्हें भारत विभिन्न देशों से आयात करता है?

उत्तर : भारत विभिन्न देशों से निम्नलिखित चीजें आयात करता है: पेट्रोलियम उत्पाद, गैर-धात्विक खनिज, सोना, चाँदी, रसायन, मशीनरी तथा उपकरण, अलौह धातुएँ, उर्वरक आदि।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



5. भारत के पूर्वी तट पर स्थित पत्तनों के नाम बताइए।

उत्तर : भारत के पूर्वी तट पर स्थित पत्तनों के नाम:

- पारादीप (ओडिशा)
- हल्दिया (पश्चिम बंगाल)
- कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
- विशाखापट्टनम (आंध्रप्रदेश)
- चेन्नई (तमिलनाडु)
- तुतीकोरन (तमिलनाडु)।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें।

1. भारत में निर्यात और आयात व्यापार के संयोजन का वर्णन कीजिए।



ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

उत्तर : भारत के विदेशी व्यापार में अनेक वस्तुओं का निर्यात तथा आयात किया जाता है। भारत से निर्यात की वस्तुएँ हैं- कृषि तथा समवर्गी उत्पाद, अयस्क तथा खनिज, विनिर्मित वस्तुएँ, मणि, रत्न, आभूषण, हस्तशिल्प, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वस्त्र, कालीन, चमड़े से बने उत्पाद आदि प्रमुख आयातित वस्तुएँ- पेट्रोलियम अपरिष्कृत तथा उत्पाद, गैरधात्विक खनिज, सोना, चाँदी रसायन, मशीनरी तथा उपकरण, कोयला, चिकित्सीय उत्पाद, अलौह धातुएँ, उर्वरक आदि।

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भारत के आयात तथा निर्यात व्यापार संयोजन को इस दृष्टि से भी आकलन किया जा सकता है कि वर्ष 2004-2005 में भारत का आयात मूल्य 4810.5 अरब रुपये का था जबकि निर्यात मूल्य कुल 3560.5 अरब रुपये मूल्य का था। इस तरह भुगतान संतुलन भारत के पक्ष में नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

2. भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की बदलती प्रकृति पर एक टिप्पणी लिखिए।



2016-2017

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

उत्तर : भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की बदलती प्रकृति

- भारत के आयात और निर्यात के मूल्यों में निरंतर अंतर बढ़ता ही जा रहा है जिसे व्यापार संतुलन विपरीत अर्थात् भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रतिकूल है।
- निर्यात की तुलना में आयात में तेजी से वद्धि हुई है। 1950-51 में आयात 608.8 करोड़ रुपये से बढ़कर 2004-05 में 4,81,064 करोड़ रुपये हो गया जबकि निर्यात मूल्य 606.0 करोड़ रुपये से बढ़कर 2004-05 में 356,069.0 करोड़ रुपये और 2006-2007 में 5,63,800.0 करोड़ रुपये हो गया।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- विश्व के कुल निर्यात व्यापार में भारत की भागीदारी भी लगातार कम होती जा रही है। 1950 में यह 2.1 प्रतिशत थी परंतु अब घटकर मात्र 1 प्रतिशत रह गयी है। इसके लिए अनेक कारणों को जिम्मेदार माना जाता है।
- भारत का कुल विदेशी व्यापार 1950-51 में 1,214 करोड़ रुपये से बढ़कर 2004-2005 में 8,37,133 करोड़ और 2006-07 में 13,84, 368 करोड़ रुपये हो गया।